भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2675

19 दिसंबर, 2023 को उत्तर के लिए नियत

उद्योग-4.0 संबंधी जागरूकता

2675. श्री प्रताप सिम्हा:

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उद्योग-4.0 कार्यक्रम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित संगोष्ठियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या विशेष रूप से छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई) के लिए तैयार की गई कोई प्रशिक्षण-पहल की गई है जिसका उद्देश्य उद्योग-4.0 प्रौद्योगिकियों को प्रचालनों में शामिल करने में उनकी सहायता करना है; और

(ग) यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री कृष्ण पाल गुर्जर)

(क): "भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि" स्कीम के अंतर्गत भारी उद्योग मंत्रालय भारतीय विनिर्माण उद्योगों में उद्योग 4.0 के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए संगोष्ठियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं के आयोजन के लिए परियोजना कार्यान्वयन संगठनों और उद्योग संघों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है।

इस स्कीम के तहत, वर्ष 2021-22 और 2022-2023 में "उद्योग 4.0" पर विभिन्न परियोजना कार्यान्वयन संगठनों और औद्योगिक संघों ने 195 सेमिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित कीं जिनमें 9000 से अधिक पेशेवरों ने भाग लिया।

इसके अलावा, भारी उद्योग मंत्रालय ने 7 अक्टूबर, 2022 को केवडिया, गुजरात में C4i4 प्रयोगशाला, पुणे के तकनीकी सहयोग से "उद्योग 4.0 विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन किया। आईआईएससी और सीएमटीआई-बेंगलुरु के तकनीकी सहयोग से बेंगलुरु में 03-04 जुलाई 2023 को "राष्ट्रीय रोबोटिक्स सम्मेलन" आयोजित किया गया।

(ख): जी हां। लघु और मध्यम उद्यम सहित सभी उद्योग पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि उद्योगों को अपने प्रचालनों में उद्योग 4.0 के अंगीकरण में सहायता मिल सके।

(ग): "पूंजीगत वस्तु क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि स्कीम" के घटक "साझा इंजीनियरी सुविधा केन्द्रों" के अंतर्गत समर्थ केन्द्र और अन्य परियोजना कार्यान्वयन संगठन विनिर्माण क्षेत्र में उद्योग 4.0 से संबंधित कार्यकलापों को शामिल करने के लिए लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई), सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तथा शिक्षा जगत के लिए प्रशिक्षण आयोजित करते रहे हैं।

****